SET-2

Series S5RPQ

प्रश्न-पत्र कोड **2/5/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

[]

नोट

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *यह प्रश्न-पत्र **तीन** खण्डों में विभाजित है।*

(ii) ***खण्ड क** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

(iii) ***खण्ड ख** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(iv) ***खण्ड ग** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(v) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(vi) *यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खण्ड क
(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

दुनिया का सबसे बड़ा अधम –
हाँ, हाँ, दुनिया का सबसे बड़ा अधम नर वही था
जिसकी ज़बान से यह निकला था पहले-पहल –
भूमि यह मेरी है !
"भूमि यह मेरी है ?"
झूठा, मक्कार था !
असत्य, अन्याय का अवतार था !
दुनिया का सबसे बड़ा अधम !!
नीचे की धरती और ऊपर का आसमान,
पानी और पवन –
प्रकृति की देन हैं ये जीवमात्र के लिए,
इन पर है सबका अधिकार;
सबका समान अधिकार
हवा को क्या बाँटोगे ?
पानी को बाँटोगे ?
बाँटोगे नीले आसमान को ?
बाँट भी सकोगे क्या ?
धरती बेचारी बेबस थी –
पैरों के नीचे
अचल पड़ी थी, निरीह;
कह दिया –
"भूमि यह मेरी है" –
बाँट लिया टुकड़ों में,
एक मुट्ठी लोगों ने,
मानो माता के आँचल को दाँतों से चीरकर
बाँट लिया कुछ शैतान बच्चों ने;
टुकुर-टुकुर ताकते रह गए शरीफ़
रोती रही दुखिया बेचारी माँ !
दुनिया का सबसे बड़ा अधम !

(i) इस काव्यांश का केंद्रीय भाव है : *1*

(A) प्राकृतिक संसाधनों का सृजन

(B) भूमि का वैज्ञानिक वितरण

(C) भूमि पर सबका समान अधिकार

(D) भूमि के इतिहास का वर्णन

(ii) "प्रकृति की देन हैं ये जीवमात्र के लिए" इस पंक्ति से कवि का अभिप्राय है : *1*

(A) व्यक्तिगत अधिकार

(B) जातीय विभाजन

(C) धार्मिक आस्था

(D) सामूहिक स्वामित्व

(iii) "माता के आँचल को दाँतों से चीरना" इस पंक्ति का आज के संदर्भ में सटीक अर्थ क्या है ? *1*

(A) जैविक खेती को प्रोत्साहन

(B) वनों की अंधाधुंध कटाई

(C) हरित ऊर्जा का विकास

(D) जल संरक्षण योजनाएँ

(iv) यदि 'भूमि यह मेरी है' की भावना समाज में व्याप्त नहीं होगी तो दुनिया की संरचना कैसी होगी ? *1*

(v) 'दुनिया का सबसे बड़ा अधम' किसे कहा गया है और क्यों ? *2*

(vi) 'टुकुर-टुकुर ताकते रह गए शरीफ़' पंक्ति में किन लोगों पर व्यंग्य किया गया है और क्यों ? *2*

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

जीवन के लिए जागना जितना ज़रूरी है, उतना ही ज़रूरी सोना है। दोनों क्रियाएँ एक-दूसरे के सहारे पर हैं। नींद का न आना भी एक विकार है, जिससे अनेक प्रकार की बाधाएँ आ सकती हैं और जो प्राणी रात-दिन सोता ही रहे, वह तो निष्क्रिय ही है। यदि दोनों क्रियाएँ एक-दूसरे की सहायता करती रहें – आदमी जागे कर्म करने के लिए, सोये विश्राम के लिए – तो जीवन सुखी होता है, लेकिन जागना जीवन का मुख्य लक्षण है, सोना अर्थात् – विश्राम, तो केवल उसका सहायक है। इसलिए, जागृति जीवन और अभ्युदय का चिह्न है और निद्रा पतन तथा ह्रास का। जागृति रजोगुण-प्रधान क्रिया है, निद्रा में तमोगुण की प्रधानता होती है। कम-से-कम सोने के लिए अनेक उपाय और साधन बताए गए हैं। अधिक-से-अधिक सोने के लिए आज तक किसी ने कोई उपाय नहीं बताया – उसी तरह, जैसे स्वस्थ रहने के लिए तरह-तरह के प्रयत्न किए जाते हैं, पर बीमारी के लिए भी किसी ने कोई प्रयत्न किया है, ऐसा कभी सुनने में नहीं आया। वास्तव में स्वास्थ्य का न होना ही बीमारी है – उसी तरह, जैसे प्रकाश का न होना ही अंधकार है। आदमी जितना ही कम सोये उतना ही जागरूक है, यहाँ तक कि कई विद्वानों का मत है, सोना कोई आवश्यक क्रिया नहीं। संभव है तपस्वियों के लिए सोना आवश्यक न हो, उनकी प्रकृति में रज और सत ही रह जाता हो, तम की सर्वथा हानि हो जाती हो, पर साधारण प्राणियों के लिए भी यही नियम लागू है कि मात्रा से अधिक सोने में हानि है, अतएव जब हम किसी राष्ट्र के विषय में जागृति की कामना करते हैं, तो इसका बोध यह होता है कि वह राष्ट्र मात्रा से अधिक तमोगुणी हो गया और उसमें जीवन की मात्रा ज़रूरत से कम है।

(i) 'जागृति' और 'निद्रा' किन गुणों से संबंधित हैं ? *1*

(A) सत और तम

(B) रज और सत

(C) सत और रज

(D) रज और तम

(ii) गद्यांश के अनुसार सोना अर्थात् निद्रा किसकी सहायक है ? *1*

(A) स्वास्थ्य की

(B) जागने की

(C) विश्राम की

(D) मृत्यु की

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए : *1*

कथन : जागना जीवन के लिए आवश्यक है।

कारण : जाग्रत हो ध्यानपूर्वक कर्म करने से ही, व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की उन्नति संभव है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(iv) 'जागृति' और 'निद्रा' किसके प्रतीक हैं ? गद्यांश के आधार पर बताइए। *1*

(v) 'जागना' और 'सोना' दोनों क्रियाएँ एक-दूसरे की पूरक कैसे हैं ? स्पष्ट कीजिए। *2*

(vi) लेखक के अनुसार 'किसी राष्ट्र की जागृति' का क्या तात्पर्य है ? उल्लेख कीजिए। *2*

(vii) निद्रा को किस गुण की प्रधानता से जोड़ा गया है और क्यों ? *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *4×2=8*

(i) 'रेडियो ध्वनि, स्वर व शब्दों का खेल है' – कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'एंकर विज़ुअल' का क्या अभिप्राय है ?

(iii) 'नेट साउंड' किसे कहते हैं ? दूरदर्शन के संदर्भ में समझाइए।

(iv) फ़ीचर की लेखन शैली समाचार की लेखन शैली से किस प्रकार भिन्न है ? किन्हीं दो भिन्नताओं का उल्लेख कीजिए।

(v) विशेष लेखन के अंतर्गत कौन-सी सामग्री आती है ? उल्लेख कीजिए । समाचार पत्र-पत्रिकाओं के लिए विशेष लेखन का कार्य कौन करता है ?

4. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(i) स्वच्छता : आज की आवश्यकता

(ii) प्रकृति से टूटता नाता

(iii) मोबाइल में कैद जीवन

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(i) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए उल्लेख कीजिए कि अभिव्यक्ति के अधिकार में लेखन किस प्रकार सहायक है ?

(ii) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

(iii) रेडियो नाटकों में संवादों पर विशेष ध्यान देना क्यों आवश्यक है ? तर्क सहित लिखिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) 'आत्मपरिचय' कविता में कवि के व्यवहार में कवि की किन असंगतियों का उल्लेख हुआ है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) पतंग के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग कवि ने किया है, उन्हें लिखते हुए उसके पीछे के उद्देश्य को भी कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(iii) क्रांति की गर्जना से शोषक वर्ग पर पड़ने वाले प्रभाव को 'बादल राग' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज़ का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।

कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटतीं
रोपाई क्षण की,
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती।

(i) 'छोटा मेरा खेत' कविता के मूल भाव के बारे में सही कथन है :

(A) कविता को व्यवसाय के रूप में देखा गया है।

(B) इसमें श्रव्य बिंब का प्रयोग किया गया है।

(C) यह ऐसा खेत है जिसके चार कोने हैं।

(D) यह सृजन कर्म के शाश्वत भाव की कविता है।

(ii) कविता की रचना-प्रक्रिया के संदर्भ में 'अंधड़' क्या है ?

(A) अलंकारों की अधिकता

(B) भाषा की कठिनता

(C) भावनाओं का आवेग

(D) पंक्तियों की अधिकता

(iii) कवि अपने छोटे खेत में कौन-से बीज बोता है ?

(A) चावल के

(B) विचारों के

(C) ईर्ष्या के

(D) कागज़ के

(iv) कवि ने कवि-कर्म की तुलना किससे की है ?

(A) भवन-निर्माण से

(B) कृषि-कर्म से

(C) शिक्षा-दीक्षा से

(D) व्यवसाय से

(v) 'कटाई अनंतता की' का प्रतीकार्थ है :

(A) रोपाई के बाद कटाई

(B) कटाई कर्म अनंत

(C) साहित्य कालजयी

(D) फलों की काट-छाँट

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) फूलों के खिलने से कविता का क्या संबंध है ? 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ii) " 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता हर ऐसे व्यक्ति की ओर इशारा करती है, जो दुख-दर्द, यातना-वेदना को बेचना चाहता है।" कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'कवितावली' में तुलसीदास ने अपने समाज की किन सामाजिक बुराइयों का उल्लेख किया है ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) भक्तिन की जीवन-स्थितियाँ उस समय के ग्रामीण समाज की किस वास्तविकता को प्रकट करती हैं ?

(ii) 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर बारिश न होने से उत्पन्न संकटों को स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'समता' का आशय स्पष्ट करते हुए 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' पाठ के आधार पर लिखिए कि राजनीतिज्ञ के संदर्भ में समता को पाठ में कैसे स्पष्ट किया गया है ?

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) श्रम विभाजन और श्रमिक-विभाजन में अंतर 'जाति प्रथा और श्रम विभाजन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने शिरीष के फूलों के माध्यम से जीवन के किस सत्य को उजागर किया है और क्यों ?

(iii) पहलवान की ढोलक मृतप्राय गाँव वालों के लिए कैसे जीवनदायिनी थी ? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

11. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

मन खाली नहीं रहना चाहिए, इसका मतलब यह नहीं है कि वह मन बंद रहना चाहिए। जो बंद हो जाएगा, वह शून्य हो जाएगा। शून्य होने का अधिकार बस परमात्मा का है जो सनातन भाव से संपूर्ण है। शेष सब अपूर्ण है। इससे मन बंद नहीं रह सकता। सब इच्छाओं का निरोध कर लोगे, यह झूठ है और अगर 'इच्छानिरोधस्तप:' का ऐसा ही नकारात्मक अर्थ हो तो वह तप झूठ है। वैसे तप की राह रेगिस्तान को जाती होगी, मोक्ष की राह वह नहीं है। ठाठ देकर मन को बंद कर रखना जड़ता है। लोभ का यह जीतना नहीं है कि जहाँ लोभ होता है, यानी मन में, वहाँ नकार हो ! यह तो लोभ की ही जीत है और आदमी की हार। आँख अपनी फोड़ डाली, तब लोभनीय के दर्शन से बचे तो क्या हुआ ? ऐसे क्या लोभ मिट जाएगा ? और कौन कहता है कि आँख फूटने पर रूप दीखना बंद हो जाएगा ? सच्चा ज्ञान सदा अपूर्णता के बोध को हम में गहरा करता है। सच्चा कर्म सदा इस अपूर्णता की स्वीकृति के साथ होता है।

(i) गद्यांश के अनुसार 'आँख फोड़ना' का अभिप्राय है :

(A) शारीरिक विकलांगता को बढ़ावा देना

(B) लोभ से बचने हेतु साधन को ही नष्ट कर देना

(C) दृष्टि को स्थायी रूप से खो देना

(D) तपस्या का सबसे उच्च स्थान प्राप्त करना

(ii) लेखक के अनुसार 'मन को बंद कर देना' क्यों सही नहीं है ?

(A) इससे मन प्रतिष्ठित रूप से शांत हो जाता है।

(B) इससे लोभ का नाश हो जाता है।

(C) इससे मन जड़ हो जाता है।

(D) इससे मन सपने देखना बंद कर देता है।

(iii) गद्यांश के अनुसार 'सच्चा ज्ञान' किस प्रकार की भावना से प्राप्त हो सकता है ?

(A) पूर्णता की भावना से

(B) अपूर्णता के बोध से

(C) पूर्णता के नाश से

(D) मनमानी छूट से

(iv) गद्यांश के अनुसार लोभ से बचने का क्या उपाय है ?

(A) मन को बंद रखना

(B) मन को भरा रखना

(C) मन को संयमित रखना

(D) मन की इच्छा पूरी करना

(v) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. लोभ का नकार ही लोभ की जड़ है और यह व्यक्ति की हार है।

II. लोभ को दबाना ही उसे जीतना है।

III. संयमित मन ही लोभ पर विजय पा सकता है।

इन कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

(A) कथन I सही है, कथन II ग़लत है।

(B) कथन I ग़लत है, कथन II सही है।

(C) कथन I और III सही हैं।

(D) कथन II और III सही हैं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(i) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी में आधुनिक पारिवारिक मूल्यों के विघटन की यथार्थ प्रस्तुति है।" इस कथन के आधार पर वर्तमान प्रसंगों में विघटित हो रहे मूल्यों का उल्लेख करते हुए उन्हें बचाने के उपाय लिखिए।

(ii) "कवि भी अपने जैसा ही एक हाड़-माँस का; क्रोध-लोभ का मनुष्य ही होता है।" 'जूझ' कहानी के लेखक को यह अहसास कब हुआ और इस अहसास का क्या परिणाम निकला ?

(iii) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ में लेखक ने सिंधु घाटी सभ्यता को 'अनुशासित' क्यों कहा है ? सिंधु घाटी सभ्यता की संस्कृति व सामाजिक संरचना का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए।